सेक्रेटरी की आफ़िस में चुदाई-1

“'अरे क्या बताउँ राजे... जीजाजी तो रोज़ चार चार बार अनु को चोद रहे ही हैं, अब उन पर एक नया फितूर सवार हो गया है, वो अनु के पीछे पड़े हैं कि वो अनु को किसी और मर्द से चुदाते हुए देखना चाहते है ”

...

Story By: चूतेश (chutesh)
Posted: Thursday, July 3rd, 2014
Categories: Office Sex
Online version: सेक्रेटरी की आफ़िस में चुदाई-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सेक्रेटरी की आफ़िस में चुदाई-1

मैंने गत अंक में बताया था कि कैसे मैंने नीलम रानी को होटल में चोद कर मैंने उसका कौमार्य भंग किया था।
अब आगे क्या क्या हुआ, वो पढ़िए और पढ़ कर मुठ मारिए या अपनी बीवी अथवा माशूका को ज़ोरों से कुचल मसल कर चोद डालिए।
नीलम रानी ने तय तारीख पर मेरी कम्पनी जॉइन कर ली। जॉइन करने पर कम्पनी की कार्यवाहियाँ पूरी करके जब वो मेरे ऑफ़िस में आई तो उसे देखकर मेरे दिल की धड़कन रुक सी गई।

क्या क़यामत ढा रही थी वो एक सादे से लेकिन खुशनुमा सलवार सूट में !
उसने ऊँची हील की बहुत ही बारीक तनियों वाली सैंडल पहन रखी थी जिसमें उसके लगभग पूरे पैर दीख रहे थे। वो जानती थी कि उसके पैर बहुत सुन्दर हैं और वो ऐसी ही चप्पल या सॅडल पहनती थी जिसमें पैर छुपें नहीं, बल्कि दीखें। मैं कुर्सी से उठा और उसे बाहों में जकड कर दीवानों की तरह उसे चूमने लगा।

‘अरे राजा.. थोड़ी सी तसल्ली तो रखो, अभी तो मैं आई ही हूँ.. अभी चार दिन पहले ही तो तुमने तीन बार चोदा था.. हाय मेरे चोदू बॉस !’ नीलम रानी हंसते हुए बोली।

‘तसल्ली गई मां चुदाने… नीलम रानी… मेरा लण्ड अकड़ अकड़ के पागल हुआ जा रहा है… तू कहती है तसल्ली रखूँ ?’ इतना कह कर उसे बाहों में उठा कर मैं ऑफिस से अटैच बाथरूम में ले गया, उसे दबोच के मैंने बेतहाशा उसके होंठ चूस डाले, पॉट का कवर नीचे डाल कर मैं पॉट पर बैठ गया और नीलम रानी की कमीज़ ऊपर सरका के बेसाख्ता उसके चूचुक चूसने और निचोड़ने लगा।

नीलम रानी भी मज़े ले ले कर सी सी करने लगी।
मैं बारी बारी से दोनों मम्मोँ को चूसने का स्वाद लेता रहा। खासकर जब मैं उसकी गहरे काले रंग की बड़ी बड़ी निपल चूसता तो मज़े से थर्रा उठता।
लण्ड अकड़ कर एक गुस्साए नाग की भांति फुंकारें मार रहा था।

मैंने नीलम रानी की सलवार का नाड़ा खोल कर सलवार नीचे सरकाई और एक उंगली उसकी प्यारी सी गांड में घुसा दी।
नीलम रानी चिंहुक पड़ी और बोली, 'हाय राजे… क्या करते हो ?'
'मज़ा आया या नहीं ?' मैंने मुँह चूची से एक दो पल के लिए हटा कर पूछा और साथ ही साथ उंगली गांड के अंदर पूरी घुसेड़ दी।
नीलम रानी ने मस्ता कर हल्की सी किलकारी भरी।

मैं बेहद गर्मा चुका था क्योंकि लौड़ा बहुत ज्यादा सता रहा था, मैंने नीलम रानी को खींच कर नीचे घुटनों के बल बिठा दिया और लौड़े को पैंट से बाहर निकाल कर नीलम रानी के मुँह के सामने करके तुनके लगाने लगा।
नीलम रानी समझ गई कि मैं लण्ड चुसवाना चाहता हूँ, तुरंत उसने टट्टों को बड़े प्यार से सहलाया, लण्ड की कुछ प्यार भरी चुम्मियाँ लीं और सुपारी की खाल पूरा पीछे खींच कर सुपारी नंगी कर दी।

एक बूंद टोपे के छेद पर उभर आई थी जिसे नीलम रानी ने तुरंत जीभ से लपक लिया और खूब खुश होकर चहकी- हूंउउऊऊउउ… स्वाद आ गया !
उसने मुखरस से तर करके जीभ बाहर निकाली और धीरे धीरे सुपारी को चाटने लगी, उसने टोपा चारों तरफ चाट चाट के मुझे जन्नत दिखा दी।
हर थोड़ी देर बाद एक बूंद लौड़े के छेद पर आ जाती जिसे नीलम रानी फौरन में में ले लेती।

अब नीलम रानी ने लण्ड की खाल आगे पीछे करना आरंभ कर दिया।
वो लण्ड की सुपारी चूसे जा रही थी और दोनों हाथों से लण्ड को पंप कर रही थी।
बीच बीच में एक हाथ से मेरे अंडकोश भी सहलाती जाती।

मस्त चुसाई चल रही थी, लौड़ा चूसने की नीलम रानी एक्सपर्ट थी। कभी वो सिर्फ टोपा चाटती चारों ओर जीभ फिरा फिरा के, तो कभी वो पूरा लण्ड मुँह में घूसा लेती और मुँह के भीतर जीभ से लण्ड चाटती।
कई बार नीलम रानी लण्ड को ऐसे चूसती जैसे बच्चे लॉलीपॉप चूसते हैं।

लण्ड की उत्तेजना बढ़े चले जा रही थी, मेरा बदन अब तपने लगा था, गला घुटा घुटा सा लगने लगा था।
नीलम रानी ने अब जीभ को मोड़ के सिरे की नोक सी बना कर सुपारे के सुराख में घुसेड़ दिया तो मेरे बदन मे एक ज़बरदस्त सनसनी दौड़ी, लण्ड में सुर सुरी होने लगी।

तब नीलम रानी ने जीभ घुसाए घुसाए अपने होंठ पूरी ताक़त से लण्ड पर जमा दिए और होटों से लण्ड को ज़ोर से दबाए दबाए चूसने लगी।
आनन्द की हद पार होने लगी थी, नीलम रानी ने मुझे सताना चालू कर दिया था।
जैसे ही उसे लगता कि मैं झड़ने वाला हो रहा हूँ, वो एकदम लण्ड पर से होंठों का दबाब कम कर लेती और थोड़ी सी जीभ भी छेद से बाहर कर लेती।
जैसे ही मैं काबू पा लेता, वो दुबारा अपने विशेष स्टाइल से चूसने लगती।

मेरा लाण्डिया चूस चूस कर नीलम लौण्डिया ने मेरा हाल बिगाड़ दिया।
मैं उत्तेजना के मारे कांप रहा था। मेरे मुँह से आह… आह… अय्या… आ… आ… आहा जैसी आवाज़ें आने लगीं।
लण्ड कबू से बहर हुए जा रहा था।

नीलम रानी जान गई कि मैं खलास होने के बहुत करीब हूँ, उसने पूरा लौडा मुँह में ठूंस लिया था और बडी तेज़ी से मुँह को आगे पीछे करके वो चूस रही थी।

उसका मुँह रस से भर गया था जिससे लौड़ा तर होकर चुसाई का मज़ा लूट रहा था। जब लण्ड मुँह में घुसता तो पिच पिच की आवाज़ निकलती।
अचानक एक तरंग मेरे सिर से तेज़ रफ्तार शुरू होकर मेरे बदन से गुज़री और लण्ड से होती हुई मेरे लौड़े के छेद से निकली और साथ ही मैं झड़ा।
नीलम रानी ने सारी मलाई निगल ली, एक बूंद भी उसने बर्बाद न होने दी।

जब मैं झड़ झड़ कर खाली हो गया तो नीलम रानी ने बैठे लौड़े को मुँह से निकाला जिसमें पुच की आवाज़ हुई।
लुल्ले को फिर नीलम रानी ने एक कागज़ का नॅपकिन लेकर अच्छे से पौंछ पौंछ कर साफ व सुखा दिया।

इसके बाद मैंने नीलम रानी की कमीज़ उतार कर खूंटी पर टांग दी और उसकी ब्रा भी उतार डाली।
मस्त, गर्म गर्म सख्ताई हुई दोनों मम्मे, तनी हुई निप्पलों सहित यूं लग रहे थे कि दो तोपें तैयार खड़ी हैं। मैंने ताबड़ तोड़ चूचियों को दांतों से काट काट के, मसल मसल कर, कुचल कुचल कर चूसना शुरू कर दिया।

नीलम रानी चिहुँक चिहुँक कर सीत्कार भरने लगी।
चुदास अब उस पर पूरी तरह सवार हो चुकी थी, अब वो मस्ती में मचल मचल के अपने थन चुसवाए जा रही थी।
जितना मैं उसे नोचता खसोचता था, उतना ही वो ज्यादा गर्म हुए जाती थी।

नीलम रानी ने कहा- राजे… बस अब जल्दी से चोद दो… अब मैं इतनी गर्म हो गई कि

उबल उबल कर फट जाऊँगी… आआआह… हाय… ऊऊऊऊँ… बस राजा बस… मैं हाथ जोड़ती हूँ… अब देर ना करो !
मैं बोला- थोड़ी देर और मुझे खेलने दे अपने मस्त बदन से… हरामज़ादी जब लण्ड चूसते हुए तू मुझे सता रही थी उसका कुछ नहीं… अब चूत गर्मा गई है तो ज़रा भी तसल्ली नहीं हो रही है। जब फटने को हो जाएगी तभी चोदूँगा, फटने नहीं दूँगा तुझे !

इतना कह कर मैंने चूत पर उंगली फिराई तो ढेर सारे चूत के रस से उंगली भीग गई। वो तो दबा के पनिया रही थी।
जैसे ही बुर में उंगली घुसाई, नीलम रानी की आहें और भी तेज़ हो गयीं, बुर से रसे का फव्वारा छूटने लगा, रस बह बह कर उसकी जाँघों से नीचे घुटने तक आ गया।

पहले तो मैंने सारा रस उसकी जाँघों से चाटा जिससे नीलम रानी और भी अधिक चुदासी हो गई।
चुदाई की प्यास से व्याकुल होकर नीलम रानी अब गिड़गिड़ा रही थी कि मैं उसका कीमा बना दूँ, बुर फाड़ कर कचूमर निकल दूँ।
मेरा लण्ड भी फिर से टनाटन हो चुका था।

चूत का रस तो अब टपकने लगा था। मैंने अपने हाथ को चूत के नीचे रखा तो ढेर सारा चूतामृत से हाथ भर गया। बहुत मज़ा आया वो चिकना, बहुत हलका सा नमकीन और बहुत ज़रा सी खटास लिए हुए रस को जब मैंने पिया।
लण्ड तो अब बुरी तरह मचलने लगा था। चूतरस पीकर तो मैं भी बहुत अधिक उत्तेजित हो गया था।

मेरी मर्ज़ी तो बहुत थी कि मैं नीलम रानी की चूत का रस तसल्ली से पियूं क्योंकि इतना अमृत बहा बहा के उसकी बुर को देख कर मेरे मुँह में पानी आ रहा था।
हाय राम, कितना स्वादिष्ट था नीलम रानी का चूतरस !!!

लेकिन बाथ रूम में उसकी चूत चूसना संभव नहीं था।
तो मैंने नीलम रानी से कहा कि वो आगे को दीवार के सहारे जितना झुक सकती है, झुक जाए और चूतड़ थोड़े से उठा ले, ताकि मैं घोड़ी की तरह उसे चोदूँ।

यह सुन कर तो वो बड़ी खुश हुई और फौरन ही बिल्कुल सही पोज़ीशन में आ गई। अब नीलम रानी के चिकने, सुन्दर और मुलायम मुलायम गोल गोल नितंब मेरे सामने थे।
उन्हें देख देख कर मैं मतवाला हुआ जा रहा था जबकि इधर नीलम रानी चुदाई के लिए बेकरार हुई जा रही थी।

मैंने उन चूतड़ों पर प्यार से हाथ फेरा और नीलम रानी की टांगें चौड़ा कर पीछे से अपना सुलगता हुआ लण्ड एक ही शॉट में बुर की अंदर घुसेड़ डाला। नीलम रानी ने मस्ता के एक किलकारी भरी और तेज़ तेज़ चूतड़ हिलाने लगी।
नीलम रानी हाँफते हुए हाय हाय करते हुए चुदवा रही थी।

बड़ी हैरत की बात थी कि यह लड़की जिसकी नथ मैंने सिर्फ तीन दिन पहले खोली थी, और जिसकी अब तक केवल एक दिन चुदाई हुई हो, अब ऐसे हुमक हुमक कर चुद रही थी।
मुझे भी मज़ा तो बेहद आ रहा था। इतनी टाइट बुर और उसमें से बहता हुआ ढेर सारा रस मेरी ठरक सातवें आसमान पर ले गया था।
लण्ड में एक हलचल मची हुई थी।

अब तक तो मैं नीलम रानी के नितम्ब पकड़ कर धक्के मार रहा था। फिर मैंने उसकी चूचियाँ पीछे से कस के भींच लीं और उन्हें दबोचे दबोचे मैं बड़ी तेज़ी से तगड़े तगड़े धक्के पेलने लगा।
नीलम रानी मज़े से बेहाल हुई जा रही थी, जितना ज़ोरदार धक्का मैं ठोकता उतनी ही तेज़ उसकी सीत्कार निकलती।

नीलम रानी ने कहा- राजे… मदमस्त कर दिया तुमने… पूरी ताक़त लगा दो मेरे राजा… इतने ज़ोर से पेलो कि चूत के परखच्चे उड़ जाएँ !हाँ… हाँ… हाँ… राजा… हाँ… हाँ… .और ज़ोर का धक्का ठोक ना मादरचोद… हाँ… राजा… .हाँ… हाँ… हाँ… हाँ… बड़ा मज़ा आ रहा है… ऐसे ही चोदते रहो… थोड़ा राजा मम्मे को और ज़ोर से मसलो… हाँ राजा हाँ… राजा सीट पर बैठ कर चोदो ना… थक गई मैं खड़े खड़े चूत मराते !

‘चुपचाप खड़ी खड़ी चुदे जा… सीट टूट जाएगी हम दो लोग के वज़न से… सीट चुदाई के लिए थोड़े ही डिज़ाइन की गई है !’ यह कहते हुए मैंने एक ज़बरदस्त धक्का रसीद किया। नीलम रानी सारी थकान भूल के चूत में मची हलचल का मज़ा लेने लगी।

मैं झड़ने के बहुत क़रीब पहुँच गया था, मेरी साँसें तेज़ हो गई थीं और मेरा शरीर पसीना पसीना हो चुका था, मज़ा बेइंतिहा आ रहा था।
नीलम रानी तो बिल्कुल पगला गई थी धकाधक चूत में मचाई हुई लण्ड की धमाचौकड़ी से।

इधर मैं उसके चूचुक ज़ोर ज़ोर से मसल ही रहा था, चूत से रस लगातार बहे जा रहा था, मेरा लण्ड, झांटें और जाँघों का ऊपर का प्रदेश सब चूतामृत से भीग चुके थे।
मुँह से ‘हैं… हैं… हैं… हैं’ की सीत्कार भरते हुए मैंने दस बारह बड़े लम्बे धक्के मारे।

धक्के इतने ज़ोरदार थे कि हर धक्के पर जब लण्ड चूत में दनदनाता हुआ बच्चेदानी के मुहाने पर ठुकता तो मेरे सिर तक धमक महसूस होती।
फच फच फच फच की आवाज़ें हर धक्के पर आतीं।

अंत में मैं झड़ा और लण्ड के कई तुनके मारे और हर तुनके पर एक बड़ा सा वीर्य का लौंदा नीलम रानी की चूत में उगलता गया।
नीलम रानी तो तीसरे धक्के में ही ढेर हो गई। वो इतना अधिक बारम्बार झड़ी कि पूछो

मत।
अगर मैंने उसे कस कर जकड़ा न होता तो शायद गिर ही पड़ती।

यही परेशानी है खड़े खड़े बाथ रूम में चोदने में, झड़ने के बाद लेटने को नहीं मिलता। स्खलित होती बुर के रस की गर्म गर्म फुहार ने लण्ड को तरबतर कर दिया और इस चिकने रस से बैठा हुआ लौड़ा पिच्च्च से बाहर फिसल आया, साथ में ढेर सारा मेरे मक्खन से मिला जुला चूत का पानी भी रिस रिस कर बाहर निकलने लगा जिससे नीलम रानी की योनि के आस पास का बदन और घुटनों तक जाँघें भीग गईं।

नीलम रानी तो अर्धमूच्छ्रा की हालत में थी इसलिए मैंने टॉइलेट पेपर से उसके बदन को साफ किया और सुखाया और फिर अपने आप को।
नीलम रानी को बाहों में लेकर कुछ देर तक मैं अपनी सांसों को काबू में करता रहा।

थोड़ी देर में नीलम रानी भी जागृत हो गई, मैंने पूछा, 'क्यों रानी… मज़ा आया ? कैसा लगा बाथ रूम में चुदाई करवा के ?'
'राजे… राजे… राजे… इतना मज़ा आया कि मैं बता नहीं सकती। तुम तो सच में बहुत शातिर चोदू हो। तुम्हारी पत्नी का तो जीवन सफल हो गया हर रोज़ तुम्हारा लौड़ा ले ले कर… मैं तो राजा तुम्हारी दासी हो गई ज़िंदगी भर के लिए… बस चोदते रहो, चाटते रहो और चूसते रहो मुझे… और कुछ भी ना चाहूँ मैं !'

मैं बोला- नीलम रानी, तू भी तो दिल खोल के मज़ा देती है… बता तो तेरे महा चोदराज जीजा के क्या हाल हैं ? कोई नई ताज़ी चुदाई की दास्तान ?'

'अरे क्या बताउँ राजे… जीजाजी तो रोज़ चार चार बार अनु को चोद रहे ही हैं, अब उन पर एक नया फितूर सवार हो गया है, वो अनु के पीछे पड़े हैं कि वो अनु को किसी और मर्द से चुदाते हुए देखना चाहते है और फिल्म उतरना चाहते हैं, कहते हैं कि दो मर्द और एक

औरत का खेल उन्होंने कभी नहीं खेला और उनका बड़ा अरमान है कि अनु को किसी अन्य मर्द के साथ मिल कर चोदें… साथ यह भी नहीं चाहते कि उनका कोई दोस्त इसमें भाग ले… अब कहाँ से लाए अनु एक दूसरे मर्द को ?’

‘छोरा बग़ल में और ढिंढोरा शहर में ?’ मैं बोला- जब तेरे जीजा को इतना चसका है पराए मर्द से अपनी बीवी चुदवाने का तो मेरे लण्ड में क्या कांटे उगे हैं कि मैं तेरी बहन तो नहीं चोद सकता… अगर मैं उसकी चूत लूं तो तेरे पेट में तो दर्द नहीं उठेगा ?’

नीलम रानी ने मेरी चुम्मी ली और बोली- अरे राजे… मेरे पेट में कोई दर्द नहीं होगा… तुम कौन सा उसे चोद के मुझे छोड़ दोगे… बल्कि तुमने तो एक बड़ी समस्या सुलझा दी…

‘अरे मेरी जान नीलम रानी… मेरी बुलबुल… तुझे भला कैसे छोड़ सकता हूँ… तेरी बहन परेशान थी तो सोचा चलो मदद कर दूं… तेरे जैसी मलाई कौन छोड़ सकता है।’ मैंने उसे बाहुपाश में जकड़ कर एक गहरा चुम्बन लिया- चल अब फोन कर अपनी बहन को… कह कि यहाँ होटल गेटवे में दो कमरे बुक करवाए एक मेरे नाम पर और एक अपने। एक दिन, दो दिन, जितने भी दिन उसका दिल चाहे अपनी बीवी को पराए मर्द से चुदाने का उतने दिन का बुक कर ले।’

नीलम रानी ने फोन लगाकर अपनी बहन अनुजा से बात की।
अनुजा ने कहा कि वो अपने चोदू खसम से पूछ कर वापस फोन करेगी।
हमने अपने अपने कपड़े पहने और बाल ठीक करके बाथरूम से निकल कर ऑफिस में आ गए।

कहानी जारी रहेगी।

Other stories you may be interested in

पड़ोस के बाप बेटे- 4

इंडियन भाभी न्यूड स्टोरी में एक जवान शादीशुदा लड़की ने अपने पड़ोस के जवान लड़के को अपनी ब्रा पैंटी दिखाकर अपनी ओर आकर्षित किया और उससे चुद गयी. दोस्तो, मैं रोमा शर्मा अपनी स्टोरी का अगला भाग लेकर आई हूं। […]
Full Story >>>

पड़ोस के बाप बेटे- 3

भाभी और अंकल Xxx कहानी में पढ़ें कि एक जवान भाभी को अपने ससुर की उम्र के पड़ोसी अंकल से चुदाई करके इतना मजा आया कि वह हर रोज चुदाई कराने लगी. दोस्तो, मैं रोमा शर्मा अपनी स्टोरी का अगला […]
Full Story >>>

मेरी बीवी मेरे सामने पुलिस वाले से चुदी

हॉट वाइफ सेक्स ककोल्ड स्टोरी में मेरी बीवी ने पुलिस वाले से मिलकर मेरे सामने अपनी चूत चुदाई का प्रोग्राम बनाया. इसमें उन दोनों ने मुझे धोखे से फंसा लिया ! नमस्कार दोस्तो, आप लोगों ने मेरी पिछली सेक्स कहानी मेरी […]
Full Story >>>

पड़ोस के बाप बेटे- 2

हॉट भाभी Xxx स्टोरी में मुझे पड़ोस के एक अंकल ने अपने घर में चोद दिया. अंकल का लंड पकड़ने के बाद मेरी चूत में भी लंड लेने की आग लग गई थी। ये कैसे हुआ ? नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम […]
Full Story >>>

हॉट इंडियन लड़की के साथ छत पर सेक्स वीडियो कॉल

विडियो सेक्स काल की कहानी दिल्ली सेक्स चैट वेबसाइट की एक लड़की के साथ ऑनलाइन सेक्स की है. एक हॉट लड़की मेरी पब्लिक सेक्स करने की फैंटेसी थी। उसने मेरी ये फैंटेसी कैसे पूरी की ? दोस्तो, मैंने अपनी पिछली कहानी […]
Full Story >>>